



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 207]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 17, 1977/वैशाख 27, 1899

No. 207]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 17, 1977 VAISAKHA 27, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th May 1977

S.O 342(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission for import of the goods specified below by all persons into India from any country in the world except the Union of South Africa/South West Africa, Rhodesia and Tibbet Region of China upto 31st March, 1978.—

- (1) Wattle extract.
- (2) Wattle bark.
- (3) Bark for tanning excluding wattle bark.
- (4) Pickled hides, skins, pelts, splits and parts thereof.
- (5) Hides and skins, raw or salted, where the value of hides and skins is more than that of wool/hair thereon.
- (6) Quabacho extract, chestnut extract and modified Eucalyptus extract (Myrtan).

2. The provision contained in ITC Order No 5/77, dated the 27th April, 1977 may be deemed to have been amended accordingly in so far as the aforesaid items are concerned appearing against S. Nos 33—38 in Annexure 6 of the aforesaid ITC Order.

[No. 11/77]

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports & Exports.

(1941)

वाणिज्य संत्रालय

आदेश

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 मई 1977

का०आ० 342(अ) —आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, भारत के सभी व्यक्तियों को किन्तु दक्षिणी अफ्रीका मध्य दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका, रोडे़शिया और चीन के निम्ननीय प्रदेश को छोड़ कर संसार के किसी भी देश में नीचे निर्दिष्ट वस्तुओं के आयात के लिए 31 मार्च, 1978 तक सामान्य अनुमति देती है —

- (1) बाटल मत्त ।
- (2) बाटल छाल ।
- (3) बाटल छाल को छोड़ कर, चर्मशोधन के लिए छाल ।
- (4) अम्ल मार्जित, खालों, समूर की खाल, खड् या उनके भाग ।
- (5) कचचा या लवणित चमड़ा और खाल, चाहे चमड़े का मूल्य उन पर के उन वालों के मूल्य से अधिक हो ।
- (6) क्वात्राको सत्त, सेस्टनट सत्त और परिशोधित यूकेलिप्टस सत्त (मिगटन) ।

2 जहां तक पूर्वोक्त आई टी सी आदेश के अनुबन्ध 6 की क्रम संख्या 33-38 में निहित मद का सम्बन्ध है, आई टी सी आदेश सं० 5, 77 दिनांक में निहित व्यवस्था में तदनुसार मशोधित किया गया समझा जाए ।

[सं० 11/77]

ए० एम० गिल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार सद्गणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977